15 / 02 / 83 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

विश्व शांति सम्मेलन के समाप्ति समारोह पर अव्यक्त बापदादा के मधुर अनमोल महावाक्यों की अनुभूति

➢➢ मैं आत्मा विश्व शांति सम्मेलन समारोह के अवसर पर स्वयं को वहाँ उपस्थित देख रही हूँ।

➳ _ ➳ मैं विश्व शांति कॉन्फ्रेंस हॉल में बेहद के बाप के सामने बैठी हूँ।

→ मैं श्रेष्ठ आत्मा विश्व परिवर्तन के कार्य मे आधार मूर्त, उद्धार मूर्त हूँ।

◆ बापदादा के कार्य मे सदा सहयोगी हूँ।

● मैं श्रेष्ठ आत्मा विश्व सेवा के निमित्त सेवाधारी हूँ।

➳ _ ➳ मुझ सहयोगी, सहजयोगी, श्रेष्ठ विशेष आत्मा को सेवा के निमित देख...

→ बापदादा अति स्नेह के सुनहरी पुष्पों से मेरा स्वागत कर रहे है...

→ और मुबारक की सेरेमनी मना रहे है।

◆ मैं बापदादा की सबसे प्यारी बच्ची बन गयी हूँ।

➢➢ मस्तकमणि, संतुष्ट मणि, हृदयमणि सा चमकता हुआ स्वरूप है मेरा...

➳ _ ➳ मेरे ऐसे स्वरूप को देख बापदादा भी यही गीत गा रहे है...

→ वाहः मेरे बच्चे वाहः !

→ वाहः मीठे बच्चे वाहः !

→ वाहः प्यारे ते प्यारे बच्चे वाहः !

→ वाहः श्रेष्ठ आत्मा वाहः !

◆ मैं कितनी न भाग्यशाली हूँ जो स्वयं भगवान मुझ आत्मा के गीत गा रहे है।

◆ सारे कल्प ऐसा भाग्य प्राप्त नही हो सकता जो भगवान बच्चो के गीत गाये...

◆ कभी सोचा भी नही कि भगवान हमारे गीत गाएंगे।

◆ वाहः मेरा भाग्य वाहः !

➳ _ ➳ विश्व शांति की कॉन्फ्रेंस में मन द्वारा सर्व आत्माओ के प्रति...

→ शुभभावना, श्रेष्ठ कामना के शुभ संकल्प के वाइब्रेशन

◆ चारो ओर मास्टर ज्ञान सूर्य बनकर फैलाती जा रही हूँ।

➢➢ मैं श्रेष्ठ आत्मा हूँ, सर्व शक्तिवान की संतान हूँ...

➳ _ ➳ इसकी बहुत गहराई से अनुभूति कर रही हूँ।

→ यह रियलाइजेशन मुझे शक्ति स्वरूप बनाता जा रहा है।

→ मैं शक्ति स्वरूप बनती जा रही हूँ।

◆ मैं शक्ति स्वरूप आत्मा, मास्टर सर्वशक्तिवान आत्मा...

◆ इस स्वरूप का प्रैक्टिकल में हर कार्य मे अनुभव कर रही हूँ।

● मैं रियलाइज कर रही हूँ बापदादा सदा मेरे साथ साथ है...

● मुझे मुबारक दे रहे है।

➳ _ ➳ मैं बापदादा की प्यारी बच्ची...

→ दिल का सहारा

→ मस्तक के ताज की मणि हूँ।

◆ सदा बाप की याद में रहते

◆ याद दिलाते

◆ हर कदम यादगार चरित्र बनाते चल रही हूँ।

➳ _ ➳ हर कदम अपने प्रैक्टिकल लाइफ के आईने द्वारा

➳ _ ➳ आत्माओ को स्व का, बाप का

→ साक्षात्कार कराने वाली

→ वरदानी

→ महादानी

→ सदा सम्पन्न बनती जा रही हूं।

◆ सेवा में सदा श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ पार्ट धारी आत्मा हूँ।

◆ मन मे श्रेष्ठ संकल्प रखते हर कार्य मे निमित बन कर के दिखा रही हूँ।

◆ हर संकल्प बापदादा और ब्राह्मण परिवार के सहयोग से साकार हो रहा है।

● सदा उमंग उत्साह के साथ अटल रहते

● हिम्मतवान बन आगे बढ़ती जा रही हूँ।

➳ _ ➳ वह दिन भी इन आँखों से दिखाई दे रहा है

➳ _ ➳ विश्व शांति का झंडा विश्व के चारो ओर लहरा रहा है।

→ एक बल एक भरोसे से, और निश्चय से आगे ही आगे बढ़ते जा रही हूँ।

→ बाप मेरा साथी है।

→ मेरे साथ विशेष शक्ति है

◆ मैं निश्चय बुद्धि विजयी रत्न बन हूँ।

● सर्विस में मेरे उमंग उल्लास को देख बापदादा भी हर्षित हो रहे है।

● मुझे मुबारक दे रहे है।

→ सदा उड़ती कला में रहने वाली मैं बापदादा की नूरे रत्न बन गयी हूँ।

→ मेरे सर्व संकल्प सिद्ध होते जा रहे है

→ मुझ श्रेष्ठ आत्मा के एक ही श्रेष्ठ संकल्प से सारा परिवार श्रेष्ठ पद को पा रहा है।

◆ मैं पद्मपद्म भाग्यशाली आत्मा बन गयी हूँ।